



सब का सपना



चक्रवाती तूफान 'अर्नब' को लेकर अलर्ट, डीएम ने की सतर्क रहने की **पेज: 3**

मुझे सपोर्टिंग ए टर या कैरे टर ए टर जैसे ठपे बिल्कुल **पेज: 8**

वर्ष : 02

अंक : 203

बुधवार 28 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

दिलजीत के शो, स्कूलों और पंजाब विधानसभा की बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ और मोहाली में बम धमाके की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। धमकी भरे ईमेल और संदेशों में कई स्कूलों, पंजाब विधानसभा और पंजाबी गायक व अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी शो को निशाना बनाने की बात कही है। मामले की गंभीरता को देखकर संबंधित एजेंसियां संदेशों की सत्यता और उनके स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। जानकारी के अनुसार, वायरल हो रहे धमकी भरे संदेशों में चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित एसआर किड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर-44 के सेंट जेवियर स्कूल के अलावा मोहाली के कुछ स्कूलों का उल्लेख है। इसके साथ ही पंजाब विधानसभा परिसर को निशाना बनाने की धमकी दिए जाने का दावा है। वायरल ईमेल के स्क्रीनशॉट में अक्टूबर से 27 नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर धमाके करने की चेतावनी होने की बात कही गई है। हालांकि, इन संदेशों में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में दिलजीत दोसांझ के आगामी म्यूजिकल शो का जिक्र होने से चिंता बढ़ गई है। संदेशों में कार्यक्रम को निशाना बनाने की धमकी देने का दावा किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां संभावित खतरों को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि धमकी भरे संदेश किसने भेजा और उनका उद्देश्य क्या है।

मायावती की कांग्रेस को नसीहत : व्यक्तिगत हमले और जहरीली राजनीति देशहित में नहीं



लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने व्यक्तिगत हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए, विशेषकर कांग्रेस को परोक्ष रूप से नसीहत देकर कहा कि ऐसी विषैली और अमर्यादित राजनीति देश के लिए उचित नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा कि आज भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर व्यक्तिगत हमलों तक पहुंच चुका है। उन्होंने इस व्यवहार को असंसदीय, अमर्यादित, अपमानजनक, संकीर्ण और कभी-कभी हिंसक बयानबाजी तक पहुंचने वाला बताया, जो अर्यंत दुखद और देश की गरिमा व मान-मर्यादा के लिए चिंताजनक है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यदि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के बीच आपसी सम्मान का अभाव है, तब भी आपतिजनक और विषैली राजनीति को किसी भी प्रकार से बढ़ावा नहीं देना चाहिए। उनके मुताबिक, इस तरह की बदती स्वार्थी और संकीर्ण राजनीति से लोगों का भरोसा राजनीतिक व्यवस्था पर कमजोर हो रहा है, जो देश और जनहित के लिए शुभ संकेत नहीं है। मायावती ने देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी ज्वलंत समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही इन मुद्दों से बेचैन है, और इसके बाद नेताओं के बीच की नाक की आपसी लड़ाई स्थिति को और विषम बना रही है। जनता चाहती है कि सभी का ध्यान इन गंभीर समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। उन्होंने सभी पार्टियों और उनके नेताओं से अशोभनीय टीका-टिप्पणी व बयानबाजी की होड़ से बचने की अपील की। मायावती ने आग्रह किया कि यह प्रवृति राजनीतिक माहौल को और अधिक कड़वा व विषैला बनाएगी, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने इस दिशा में सभी से समुचित ध्यान देने का आह्वान किया।

नई दिल्ली: भारत निर्वाचन आयोग ने 2027 की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत पांच राज्यों में सरकारी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के तबादले को लेकर निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया से सीधे जुड़े अधिकारियों की तैनाती उनके गृह जिले या ऐसे स्थान पर नहीं होनी चाहिए, जहां वे लंबे समय से कार्यरत हैं। पांच राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में पत्र भेजा। आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तबादले संबंधी अपनी नीति को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग के अनुसार, गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च 2027, मणिपुर का 13 मार्च,



पंजाब का 16 मार्च, उत्तराखंड का 28 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 तक है। मंडलायुक्त से आबकारी अधिकारियों के अनुसार, आयोग ने कहा कि तबादला नीति के दायरे में मंडलायुक्त, नगर

आयुक्त, निषेध एवं आबकारी विभाग तथा परिवहन विभाग के अधिकारी भी आएंगे। संबंधित अधिकारियों की तैनाती चुनावी निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए आयोग के तय मानकों के अनुरूप करनी होगी। पुलिस अधिकारियों के लिए भी

निर्देश पुलिस विभाग में रेंज एडीजी, आईजी, अतिरिक्त आईजी, पुलिस आयुक्त, डीआईजी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राज्य सशस्त्र पुलिस के कमांडेंट, एसएसी, एसपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी, एसपी, अतिरिक्त

■ **पुलिस विभाग में रेंज एडीजी, आईजी, अतिरिक्त आईजी, पुलिस आयुक्त, डीआईजी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राज्य सशस्त्र पुलिस के कमांडेंट, एसएसपी, एसपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त...**

एसपी, उपमंडल स्तर के पुलिस प्रमुख, इंस्पेक्टर, रिजर्व इंस्पेक्टर और उनके समकक्ष रैंक के अधिकारी भी निर्देशों के दायरे में आएंगे। लंबे समय से तैनात अधिकारियों पर नजर आयोग ने स्पष्ट किया कि ये नियम उन पुलिस अधिकारियों पर लागू होंगे, जो चुनाव के दौरान जिलों में सुरक्षा व्यवस्था या पुलिस बलों की तैनाती के लिए जिम्मेदार होते हैं। आयोग ने संबंधित अधिकारियों और

राज्य सरकार के विभागों को निर्देशों की जानकारी देने और उनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। तबादले के बाद तत्काल कार्यभार सौंपना होगा आयोग ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी या संबंधित जिला अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, वे नए अधिकारी की नियुक्ति का इंतजार किए बिना तत्काल अपना कार्यभार सौंप दें। 30 नवंबर तक देनी होगी अनुपालन रिपोर्ट निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि आदेश के दायरे में आने वाले सभी अधिकारियों के तबादले और तैनाती की प्रक्रिया पूरी की जाए। संबंधित विभागों से कार्रवाई का विवरण प्राप्त करने के बाद मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को अनुपालन रिपोर्ट 30 नवंबर तक आयोग को सौंपनी होगी।

जम्मू-कश्मीर: उमर अब्दुल्ला मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों ने ली शपथ, अधिकतम संख्या हुई नौ

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार में चार नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ, राज्य में मुख्यमंत्री सहित जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की कुल संख्या नौ हुई है, जो पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत निर्धारित अधिकतम सीमा है। इस अधिनियम के अनुसार, 90 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम 10 प्रतिशत यानी नौ मंत्री हो सकते हैं। शपथ लेने वाले चारों विधायक सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फेंस (एनसी) से हैं। इसमें श्रीनगर के खाननगर से सात बार के विधायक और वरिष्ठ नेता अली मोहम्मद सागर, श्रीनगर के हब्बा कदल से दो बार की विधायक शमीमा फिरदौस, कुपवाड़ा के त्रेहगाम से मीर सैफुल्लाह और अनंतनाग के पहलगाम से अल्लाफ



अहमद वानी उर्फ अल्लाफ कालू शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के साथ-साथ सकीना इट्टू, जावेद राणा और जावेद अहमद डार अपने मंत्री पदों पर बरकरार हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल में यह फेरबदल बेहतर शासन और लोगों की शिकायतों के त्वरित निवारण को सुनिश्चित करने के लिए

किया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के परामर्श से वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया है। शपथ ग्रहण समारोह श्रीनगर शहर के चश्मा शाही इलाके में स्थित लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री उमर, एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक

अब्दुल्ला, अन्य मंत्री, वरिष्ठ नेता, सिविल और पुलिस अधिकारी सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे। अब जम्मू-कश्मीर सरकार में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित कुल नौ मंत्री हैं सकीना इट्टू, जावेद डार, जावेद राणा, अली सागर, शमीमा फिरदौस, अल्लाफ कालू, मीर सैफुल्लाह और सुरिंदर चौधरी।

चुनावी धांधली के विरोध में रामलीला मैदान में जुटेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया (इंडिया) गठबंधन 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में हो रहा यह आयोजन कथित चुनावी धांधली और मतदाता सूची से जुड़ी चिंताओं के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त विरोध प्रदर्शन का मंच बनेगा। इस महत्वपूर्ण शक्ति प्रदर्शन से पहले, कांग्रेस पार्टी तैयारियों में जोर-शोर से जुटी है। तैयारियों के मद्देनजर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने 27 अक्टूबर को दिल्ली के नेताओं के साथ रामलीला मैदान का जायजा लिया। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने बताया कि दिल्ली का पूरा नेतृत्व व्यवस्थाओं में जुटा है और वेणुगोपाल के निर्देशानुसार तैयारियों की जा रही हैं। इस रैली में देशभर से इंडिया गठबंधन के सदस्य और नागरिक शामिल होंगे, जिसमें लगभग 21 राजनीतिक दलों के एकजुट होने की उम्मीद है। हालांकि, वेणुगोपाल ने रैली से पहले पुलिस दखलंदाजी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि अशोक होटल के लॉन में 30 अक्टूबर को प्रस्तावित एक तैयारी कार्यक्रम को पुलिस के दखल के कारण अनुमति नहीं मिली, और पुलिसकर्मियों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी दूसरी जगह कार्यक्रम की तैयारी करने से रोकने का भी आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को मतदाता सूची और चुनावी गड़बड़ियों पर अपनी चिंताएं जाहिर करने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया, लेकिन जोर दिया कि इंडिया गठबंधन उनके दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही अपने अगले कदमों की घोषणा करेगी। यह रैली इंडिया गठबंधन के वोट चोरी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाना है।



शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द सिंह सुक्खू ने हमीरपुर के जोलसम्पड़ स्थित डॉ. आरकेजीएमसी एवं अस्पताल परिसर में एलाइड एवं हेल्थकेयर कॉलेज का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा हासिल करने के नए मौके मिलने वाले हैं। अब तक रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, प्रयोगशाला तकनीक और डायग्नोसिस जैसे विषयों की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को मुख्य रूप से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज पर निर्भर रहना पड़ता था। हमीरपुर में नया संस्थान शुरू होने से विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। अटल आर्युविज्ञान एवं अनुसंधान



विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश संबंधी विवरण श्रेणी अनुसार, कॉलेज में शुरूआती चरण में चार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कुल 210 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसमें बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस और बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एंड ऑपरेशन थिएटर

टेक्नोलॉजी में 60-60 सीटें हैं। वहीं, बैचलर ऑफ डायग्नोसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी में 30 सीटें उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ अस्पतालों में जांच, चिकित्सा उपकरणों के संचालन और मरीजों के उपचार में सहयोग से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक मशीनरी और

उपकरण खरीदने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 6.87 करोड़ रुपये जारी करने का निर्णय लिया है। हिमाचल सरकार ने भविष्य में छह पाठ्यक्रमों के माध्यम से कुल 330 सीटें उपलब्ध कराने की योजना भी घोषित की है। इसमें प्रयोगशाला विज्ञान, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ऑटोमेड्री और फिजियोथैरेपी में 60-60 सीटें तथा डायग्नोसिस तकनीशियन पाठ्यक्रम में 30 सीटें प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज में बैचलर ऑफ रेडिएशन थैरेपी टेक्नोलॉजी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। दोनों संस्थानों में 30-30 सीटें होंगी। स्टेट एलाइड एवं हेल्थकेयर कार्टिसिल के चेयरमैन विनोद चौहान ने सरकारी क्षेत्र में देश का पहला एलाइड हेल्थकेयर कॉलेज बताकर अन्य पाठ्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

टाइगर श्रॉफ पर हमले का खुलासा, बिश्नोई गैंग ने दहशत फैलाने रची थी साजिश

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए जानलेवा हमले की गुत्थी को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है कि इस हमले के पीछे किसी व्यक्तिगत दुश्मनी का मामला नहीं, बल्कि कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ था। क्राइम ब्रांच के मुताबिक बिश्नोई गैंग ने फिल्म उद्योग में अपना वर्चस्व स्थापित करने, भारी रकम की रंगदारी वसूलने और समाज तथा सेलिब्रिटीज के बीच दहशत का माहौल पैदा करने के सोचे-समझे मकसद से इस वारदात को अंजाम दिया था। यह हमला एक संगठित अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह द्वारा अवैध और घातक हथियारों की मदद से पूरी योजना बनाकर किया गया था। यह सनसनीखेज घटना 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के पोंश इलाके जुहू में घटी थी। टाइगर श्रॉफ अपनी कार से एक फुटबॉल ग्राउंड के परिसर से बाहर निकल रहे थे, तभी हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर कई राउंड गोलियां चला दीं। इस गोलीबारी में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए, हालांकि कार के कांच टूटने से उनके हाथ और छाती पर हल्की खरोंचे आई थी। इस हमले में टाइगर का ब्राइवर और पास में खड़ा एक अन्य ऑटो वाला गोली लगने से घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया था। घटना के बाद मुंबई पुलिस ने विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों और विशेष जांच इकाइयों के साथ मिलकर एक व्यापक तलाश अभियान शुरू किया। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया और अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

200 सीटें मांग रही कांग्रेस पर आप का तंज... फिर सपा को 1000 सीटें मिलनी चाहिए

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी (सपा) से 200 सीटों की मांग कर रही कांग्रेस की अब आम आदमी पार्टी (आप) ने खुलकर खिस्ती उड़ाई है। आप सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस के दावों को पूरी तरह नाजायज और जमीनी हकीकत से दूर बताया है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि राजनीति में तर्कसंगत बातें करना ही ठीक होता है और उन्होंने कांग्रेस के पिछले विधानसभा प्रदर्शन का हवाला दिया। आप सांसद सिंह ने बताया कि बीते यूपी चुनाव में कांग्रेस को महज ढाई प्रतिशत वोट और

सिर्फ दो सीटें मिली थीं। इस आधार पर तंज करते हुए उन्होंने कहा, अगर दो सीटों के आधार पर आप 200 सीटें मांग रहे हैं, तब 111 सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी को 1000 सीटें मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, यूपी में नया परिसीमन कराना पड़ेगा और जब विधानसभा में डेढ़-दो हजार सीटें होंगी, तब जाकर 1000 सीटें पर सपा और 200 पर कांग्रेस लड़ पाएगी। संजय सिंह

ने नेताओं को ऐसी बात नहीं करने की नसीहत दी जो व्यावहारिक ना लगे। आप सांसद ने कांग्रेस को अपराधबोध से बाहर निकलने की सलाह देकर उसकी कार्यप्रणाली पर कई राज्यों के चुनावी नतीजों का जिक्र किया। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देकर कहा कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा कई दौर तक चली, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने फोन उठाना बंद कर दिया

और आप को अपने दम पर लड़ना पड़ा। उन्होंने मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव को नजरअंदाज करने, महाराष्ट्र में लोकसभा जीत के बाद खींचतान के कारण बाजी पलटने और बंगाल में ममता बनर्जी, दिल्ली में केजरीवाल तथा बिहार में तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा स्वीकार करने में देरी जैसी गलतियों को पूरे विपक्ष के लिए नुकसानदेह बताया। भाजपा और संघ पर निशाना साधकर संजय

सिंह ने कहा कि बड़े नेता मैदान में उतर चुके हैं और पूरी भाजपा-आरएसएस अस्सी बनाम बीस की नफरत भरी राजनीति में लग गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव अस्सी-बीस नहीं, बल्कि बच्चों की फीस, रोजगार, स्कूल, अस्पताल, किसानों की फसल के दाम और पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडिए) पर हुए अत्याचार जैसे मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए। संजय सिंह ने विपक्षी दलों को सुझाव दिया कि वे भाजपा के हिंदू-मुसलमान और नफरत के एजेंडे में फंसने के बजाय इन वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित हों।

संपादकीय

पराती की तीपश

यह विडंबना ही है कि जब देश की राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता दिखायी देती है तो देश के नीति-नियंता पराली निस्तारण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने लगते हैं। अभी कोई अंतिम वैज्ञानिक अध्ययन भी सामने नहीं आया है कि पंजाब या अन्य राज्यों में पराली जलाने की प्रदूषण में कितनी पीसदी भूमिका है। लेकिन एक बात तो तय है कि पराली निस्तारण के जो भी विकल्प दिए जाते हैं, वे समय के अनुरूप किसान की सुविधा व आर्थिकी के अनुरूप नहीं हैं। यदि ये उपाय कारगर होते तो पराली प्रबंधन पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपयों पर एक छोटी-सी माचिस भारी न पड़ती। किसान अपने खेतों में पराली को बार-बार यदि आग के हवाले करते हैं तो उसके पीछे का कड़वा सच यह भी है कि धान के अवशेषों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की तुलना में, पराली जला देना उसे सुविधाजनक, सस्ता तात्कालिक निस्तारण का विकल्प नजर आता है। निस्संदेह, जब तक आर्थिक रूप से लाभप्रद विकल्प किसान को नहीं दिया जाता, तब तक केवल सब्सिडी देने या दंडात्मक कार्रवाई करने के बहुत सीमित परिणाम ही सामने आएंगे। सूत्रों के अनुसार पंजाब में 15 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच खेतों में पराली जलाने की 574 घटनाएं दर्ज की गई हैं। यदि पिछले साल के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो इसी अवधि में 561 घटनाएं ही सामने आई थीं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 270 घटनाएं अकेले तरनतारन में और 144 घटनाएं अमृतसर के इलाके में सामने आई हैं। जो बताती हैं कि इन दोनों इलाकों में विशेष रूप से ध्यान देने और पराली जलाने से रोकने के लिये ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अभी भी धान की फसल काटने का मौसम चल रहा है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इस साल पराली प्रबंधन के लिये 576 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके अलावा सब्सिडी वाली लगभग 21,155 मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं।

दरअसल, सरकारी आर्थिक मदद के बावजूद किसानों को मशीनों को चलाने के खर्च, धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच बहुत कम समय समय मिलने और जरूरत के समय मशीनें न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक तरीके से पराली प्रबंधन करने में प्रति एकड़ दो हजार से लेकर ढाई हजार रुपये तक खर्च आ सकता है। तभी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को पराली जलाना सबसे आसान विकल्प लगता है। हालांकि, शासन व प्रशासन ने पराली जलाने से रोकने के लिये सख्ती बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार अब तक पराली जलाने के मामले में 113 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा जमीन के रिकॉर्ड में 205 रेड एंट्री की गई हैं। साथ ही 11.4 लाख रुपये का पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आर्थिक दंड लगाया गया है। निस्संदेह, देश में व्याप्त पर्यावरण संकट के मद्देनजर ऐसी कार्रवाई करना भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि खेतों में पराली जलाने से समाज को प्रदूषण के रूप में सेहत के लिये भारी कीमत चुकानी पड़ती है। हालांकि, केवल जुर्माना लगाने से व्यावहारिक विकल्पों की कमी पूरी नहीं हो सकती। साथ ही, साफ हवा बनाये रखने की पूरी कीमत अकेले किसानों को ही नहीं चुकानी चाहिए। दरअसल, प्राथमिकता यह रहे कि फसल अवशेषों का प्रबंधन सस्ता और सहज-सुलभ हो। इसके लिये पराली एकत्र करने और उसे ढेने के लिये जरूरी मशीनों यानी बेलर्स की कमी को भी दूर किया जाना चाहिए। किसानों को बायोमास पाँवर प्लांट, ईट-भट्टों और अन्य उद्योगों से जोड़ने वाले भरोसेमंद बाजार उपलब्ध कराकर, कृषि अवशेषों को एक आर्थिक संसाधन में बदला जा सकता है। इसके साथ ही बिना आग लगाए पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को प्रोत्साहन देने पर भी विचार किया जाना चाहिए। सही मापने में सफलता को इस आधार पर मापा जाना चाहिए कि कितने खेतों को बिना जलाये साफ किया गया, न कि इस आधार पर कि कितना पैसा खर्च हुआ। या फिर कितनी मशीनें बांटी गई। इस दिशा में पंजाब में केंद्र सरकार, राज्य सरकार,उद्योगों और किसानों को तालमेल के साथ काम करना चाहिए।

सूक्ति

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।

– रामप्रताप

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह मैं ही।

– हर्ष मोहन

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पाकिस्तान की पैरवी से कश्मीर का भला कैसे होगा



कातिलाल मांडोट

फारूक अब्दुल्ल के विवादित बयानों से उठते सवाल और राष्ट्रीय हितों की कसौटी कश्मीर की पहचान और सुरक्षा का आधार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी... जम्मू-कश्मीर की राजनीति में फारूक अब्दुल्ल लंबे समय से प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और तीन बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके फारूक अब्दुल्ल के राजनीतिक बयानों का असर केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। उनके बेटे उमर अब्दुल्ल इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ल का हर बयान राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। हाल ही में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं है और दुनिया के दबाव के कारण दिल्ली चुप है। उनके इस बयान ने एक बार फिर राष्ट्रीय हितों, कश्मीर की पहचान और

पाकिस्तान की भूमिका को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाने से कश्मीर के लोगों का अस्तित्व कैसे सुरक्षित रहता है? क्या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी कश्मीरियों की सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा और विकास की गारंटी है? पाकिस्तान दशकों से कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और हिंसा की घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसे में पाकिस्तान की पैरवी को कश्मीरियों के बचे रहने का आधार बताना तर्कसंगत नहीं लगता। फारूक अब्दुल्ल को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके बयान का वास्तविक आशय क्या है और वे किस आधार पर पाकिस्तान की भूमिका को इतना महत्वपूर्ण मानते हैं।

फारूक अब्दुल्ल के विवादित बयान कोई नई बात नहीं है। नवंबर 2017 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के पास है और युद्ध करने से भी स्थिति नहीं बदलेगी। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और उसके परमाणु हथियारों का उल्लेख करते हुए भी बयान दिया था। इन टिप्पणियों पर देशभर में राजनीतिक विवाद हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पाकिस्तान के पक्ष को मजबूती देते हैं। दूसरी ओर, फारूक अब्दुल्ल ने अपने रख को वास्तविक परिस्थितियों को स्वीकार करने और युद्ध के बजाय शांति का रास्ता अपनाने की जरूरत से जोड़कर प्रस्तुत किया। यहां यह समझना जरूरी है कि शांति की वकालत करना और पाकिस्तान के दावों को स्वीकार करने का संकेत देना दो अलग-अलग बातें हैं। जुलाई 2017 में कश्मीर विवाद के समाधान के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों की

भूमिका पर चर्चा करने संबंधी उनके बयान ने भी राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। भारत का आधिकारिक रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए। ऐसे में तीसरे देशों की मध्यस्थता को सुझाव भारतीय कूटनीतिक नीति से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की विदेश नीति की आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विषयों पर बयान देते समय तथ्यों और संवैधानिक स्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है। अप्रैल 2017 में कश्मीर में पत्थरबाजी करने वाले युवाओं को लेकर फारूक अब्दुल्ल के बयान भी विवाद का विषय बने थे। उन्होंने युवाओं की नाराजगी और उनकी शिकायतों को समझने की जरूरत पर जोर दिया था। निश्चित रूप से युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बेरोजगारी, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम होना चाहिए। लेकिन युवाओं की समस्याओं को समझने और हिसक गतिविधियों को उचित उधारने के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है। राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व युवाओं को हिंसा से दूर करके लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। फारूक अब्दुल्ल ने हालिया बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आमने-सामने किया गया। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना देश के प्रत्येक

राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावर्ती नागरिकों की कठिनाइयां और सभी समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ल के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनीतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंशा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार को नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करना चाहिए, रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व को भी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता से जोड़ना चाहिए, ताकि वे हिंसा सत्ता कड़ता के प्रभाव से दूर रह सकें। आतंकवाद और सीमा पार से होने वाली हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ निंदोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

संवाद, शांति और सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का समाधान: ओम बिरला



विनोद सिंह 'तकियावाला'

12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का समापन; संयुक्त घोषणा पत्र में आतंकवाद के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई और समावेशी वैश्विक व्यवस्था पर बल...

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विश्व की गंभीर चुनौतियों का स्थायी समाधान संघर्ष में नहीं, बल्कि संवाद में, युद्ध में नहीं बल्कि शांति में और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निहित है। नई दिल्ली में आयोजित 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के विचार, परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समान है। यही ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति है।ओम बिरला ने सदस्य एवं भागीदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में मंच पर अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने न केवल वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की, बल्कि भविष्य में सहयोग की नई संभावनाओं पर भी विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि आज विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और अस्थिरता के साथ आर्थिक अनिश्चितताएँ भी बनी हुई हैं। ऐसे समय में संवाद, विश्वास और सहयोग का महत्व पहले



से कहीं अधिक बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसा विश्व बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जहाँ प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान हो, विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाए और विकास के अवसर सभी को समान रूप से उपलब्ध हों। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक शांति का वास्तविक अर्थ सभी के लिए सुरक्षा, सम्मान, न्याय और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। युवा पीढ़ी सहित विश्व का प्रत्येक नागरिक नेतृत्व से इसी प्रकार के भविष्य की अपेक्षा करता है। आने वाली पीढ़ियाँ देशों और उनके नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करेंगी कि उन्होंने उनके लिए कितना सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व बनाया।संसदों की भूमिका को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, जवाबदेही और जनविश्वास की संस्था भी है। विभिन्न संसदीय व्यवस्थाओं के बावजूद नागरिकों के हितों की

रक्षा करना और जनता का विश्वास जीतना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए संसदों को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाना आवश्यक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर उन्होंने कहा कि इनका जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग संसदीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बना सकता है। इससे नागरिकों की सहभागिता मजबूत होने के साथ सांसदों की दक्षता और कार्यकुशलता भी बढ़ सकती है। हालाँकि, तकनीक का विकास मानवीय मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग नैतिकता, पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। इस दिशा में विभिन्न देशों की संसदें अपने अनुभव और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ साझा कर महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

समापन सत्र में बिरला ने संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति बनें को सम्मेलन की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, राष्ट्रों की संप्रभु समानता, पारस्परिक सम्मान, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और अंतरराष्ट्रीय

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस



पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के ‘चौकीदार चोर हैं’ नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है? रिपब्लिका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विश्व का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विश्वश के रूप में उसकी सार्थकता इस

बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विश्वश की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक सोझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठ और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुदृढ़ता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो

और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विश्वास अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादस्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को गैरला के रूप में बदलने के सामाजिक प्रभाव और पद की सीमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्कों को पारजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अस्थाय खड़े हो या स्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक सिष्ठचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे, और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पदोन्नत होकर निरीक्षक बने सुशील राठी की वर्दी पर लगाए स्टार



अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव एवं अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपनिरीक्षक से पदोन्नत होकर निरीक्षक बने सुशील कुमार राठी की वर्दी पर स्टार लगाकर बधाई दी गई। इस अवसर पर एसपी लखन सिंह यादव ने उन्हें मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पदोन्नति से जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, पूरी निष्ठा से कार्य करें। पदोन्नति के अवसर पर कार्यालय में मौजूद अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुशील राठी को बधाई दी। इस दौरान पुलिस कार्यालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बीज विक्रय केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण, 12 नमूने ग्राहित



अमरोहा (सब का सपना):- शासन के निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ द्वारा गठित तहसीलवार संयुक्त टीमों ने जनपद में बीज विक्रय केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीजों की गुणवत्ता की जांच के लिए जनपद में कुल 12 नमूने ग्राहित किए गए हैं। ग्राहित नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अभिलेख पूर्ण न पाए जाने पर दो बीज विक्रय केंद्रों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण कार्यवाही के लिए तहसीलवार संयुक्त टीमों का गठन किया गया है। नमूनों की परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रूसी गांव में आवास के नाम पर 10-10 हजार वसूली, ग्रामीणों ने प्रधान पर लगाया आरोप



फतेहपुर/देवमई (सब का सपना):- विकास खंड देवमई के ग्राम रूसी में पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान सुशीला व उनके पति राम कुमार पर आवास दिलाने के नाम पर पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। ग्राम की मीना पत्नी रविन ने बताया कि कॉलोनी दिलाने के नाम पर प्रधान ने उनसे 10 हजार रुपये लिए। आज तक न तो आवास मिला और न ही पैसे वापस किए। मांगने पर कहा जाता है लिस्ट नहीं आई है। वहीं गांव के नुजुंग राम सजीवन ने बताया कि 5 साल पहले उन्होंने भी प्रधान पति राम कुमार को 10 हजार रुपये दिए थे। अब पैसे मांगने पर धमकाकर भगा दिया जाता है। पीड़ितों ने बताया कि डर के कारण अभी तक नहीं शिकायत नहीं की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

वन से लौटे श्रीराम का हुआ राज्याभिषेक, लगे जय श्रीराम के नारे



जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- श्री बाल रामलीला मंडल रामगंज में रविवार रात श्रीराम राज्याभिषेक कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराम का राजतिलक कराया। रावण दहन और भरत मिलाप शोभायात्रा के बाद राज्याभिषेकोत्सव लीला का आयोजन किया गया। कानपुर के कलाकारों ने सुदामा चरित्र, राधा-कृष्ण फूलों की होली, मां दुर्गा और देशभक्ति झांकियां प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। देर रात तक भारी भीड़ जुटी रही। इस मौके पर संयोजक महेश कुमार चौरसिया, अध्यक्ष छोटेलाल राजपूत, अमित राजपूत सहित कमेट्री सदस्य मौजूद रहे।

एक नवंबर को आयोजित होने वाले मेगा कैंप की तैयारियों का जनपद न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- आगामी एक नवंबर को आयोजित होने वाले मेगा कैंप की तैयारियों के मद्देनजर आज जनपद न्यायाधीश विवेक एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा अभिषेक कुमार व्यास ने मेगा कैंप स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंप स्थल पर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेगा कैंप में आने वाले आमजन की सुविधा के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा एवं आवागमन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉलों



के लिए उचित स्थान निर्धारित करने तथा लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मेगा कैंप का मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा

डिडौली क्षेत्र में विवाहिता से दुष्कर्म व अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देने का मामला,3 पर केस दर्ज

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने एवं उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है।



इस मामले में पुलिस ने पीड़िता को शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। बता दें कि डिडौली कोतवाली क्षेत्र में विवाहिता से दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी का मामला सामने आया। पुलिस ने इस मामले में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक, पति के बाहर जाने पर राशन कार्ड के सिलसिले में उसकी मुलाकात यूसुफ के बेटे आलिम से हुई। करीब चार महीने पहले आलिम ने घर में घुसकर विवाहिता से दुष्कर्म किया, अश्लील वीडियो बनाया और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि 2 जुलाई को आलिम ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दोबारा दुष्कर्म किया। 5 जुलाई को पति के लौटने पर पीड़िता ने उसे घटना बताई कुछ लोगों ने समझौते का प्रयास किया पर यूसुफ ने कार्रवाई न करने का दबाव बनाया। पीड़िता ने यूसुफ और निजामुद्दीन पर भी जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तीनों पर अफसर दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

हसनपुर ब्लॉक में भाजपा की विधानसभा कार्यकारी बैठक संपन्न



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर ब्लॉक सभागार में मंगलवार को विधानसभा कार्यकारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा प्रभारी सुमन त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। बैठक में हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की असली ताकत है। देवतुल्य कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही संगठन को ऊर्जा देता है। उन्होंने संगठन की मजबूती और पार्टी



की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, हिमांशु त्यागी, ईश्वरचंद गुर्जर, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, विधानसभा संयोजक हेमराज सैनी, मंडल अध्यक्ष राजू राणा, कल्याण सिंह सैनी, राजीव गोयल, हुकम सिंह खड़गवंशी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में भाकियू (लोकशक्ति) की मासिक बैठक का आयोजन

किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर तहसील परिसर पहुंचकर एक ज्ञापन एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को सौंपा। जिसमें उन्होंने किसानों से जुड़ी गन्ना भुगतान एवं बिजली संकट जैसी कई समस्याएं ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन के समक्ष रखीं। बता दें कि मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) की मासिक बैठक मंडी धनौरा तहसील परिसर में आयोजित की गई। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में किसानों की



समस्याओं पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को सौंपा गया। ज्ञापन में गन्ना किसानों के बकाया भुगतान, उचित मूल्य और सरकारी खरीद में बिचौलियों पर रोक

नुकसान रोकने और नहरों की सफाई कर सिंचाई पानी उपलब्ध कराने की मांग की इस दौरान डॉ. सुमित नागर, चतुर् सिंह, डा. राणवीर सिंह, सतेन्द्र, अशोक कुमार, संजय प्रजापति, हंशराज, मुकेश्वर कुमार त्यागी, धनी सिंह, हिमांशु नागर, जयपाल सैनी और जोगिंदर सिंह, सरताज राजे, जयचंद, पवन कुमार, बाबूराम सहित बड़ी संख्या में किसान व यूनियन कार्यकर्ता उपस्थित रहे। किसान सम्मान निधि से वींचतों का समाधान, चकबंदी व पैमाइश का त्वरित निपटारा और किसानों पर दर्ज छोटे मामलों की निष्पक्ष जांच भी प्रमुख मांगों में थी। कई किसान मौजूद थे।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' को लेकर अलर्ट, डीएम ने की सतर्क रहने की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' को लेकर जिलाधिकारी अमरोहा ने जनपदवासियों से सतर्क रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश तट से टकरा सकता है, जिसकी हवा की

गति 135 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। डीएम ने नागरिकों से अफवाहों से बचने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा। आपात स्थिति में जिला आयाद नियंत्रण कक्ष के नंबर 05922-252100 और 05922-252800 पर संपर्क करें।



जानकारी उपलब्ध कराए तथा पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनपद न्यायाधीश विवेक ने कहा कि मेगा कैंप में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कैंप की तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने तथा आयोजन के दौरान आमजन को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों की समस्याओं का मौके पर ही यथासंभव समाधान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

पुलिस लाइन अमरोहा में पुलिस पेंशनर्स गोष्ठी एवं हेल्थ कैंप का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को नवीन पुलिस लाइन अमरोहा स्थित सभागार में क्षेत्राधिकारी नौगावां अवधभान भदौरिया एवं प्रतिसार निरीक्षक अमरोहा द्वारा पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके शोध एवं विधिक



निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस पेंशनर्स से जनपद में आपसी सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया गया। साथ ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं देखभाल के उद्देश्य से हेल्थ कैंप का भी

आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में उजाला सिग्नस ब्राइट स्टार हॉस्पिटल, सेक्टर-16, मुरादाबाद की चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। कैंप में नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मयंक, जनरल फिजिशियन डॉ. सेजियाब तथा नरसिंह, प्रेमपाल, अतुल त्यागी,

अमरोहा जिला अस्पताल में दवाई लेने पहुंचे दो मरीजों के बीच मारपीट, अस्पताल परिसर में हंगामा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला सरकारी अस्पताल में मंगलवार को अस्पताल परिसर में दवाई लेने के लिए पहुंचे दो मरीजों के बीच मामूली बात को लेकर मारपीट हो गई। इस घटना के दौरान अस्पताल परिसर में हंगामा की स्थिति बन गई। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है। उधर पुलिस भी इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। बता दें कि मंगलवार को अमरोहा जिला अस्पताल में दवाई लेने आए दो मरीजों के बीच मामूली कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इस घटना से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए हंगामे की स्थिति बन गई। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अमरोहा देहात थाना क्षेत्र स्थित



जिला अस्पताल में हुई। दवाई वितरण काउंटर पर लाइन में खड़े मोहम्मद तारिक नाम के मरीज से दूसरे व्यक्ति ने मारपीट की। हसनपुर के मोहल्ला कायस्थान निवासी मोहम्मद तारिक ने बताया कि वह अपने पिता तथ्यब के पीलिया के इलाज के लिए दवा लेने आए थे। लाइन में खड़े होने के दौरान ही

अचानक एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। सर्किल सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हसनपुर में बाइक सवार के साथ मारपीट का मामला, पुलिस ने शिकायत दर्ज कर एक को पकड़ा



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर कोतवाली में एक बाइक सवार युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीढ़ी द्वारा कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि दबंगों ने पीड़ित के साथ कोतवाली के बाहर भी मारपीट की थी। इस मामले में पुलिस ने एक अज्ञात सहित दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है। बता दें कि पूरा मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र की पूठ रोड का है जहां पर एक बाइक सवार युवक रवि कुमार पुत्र महेंद्र सिंह से मारपीट की गई। बताया जा रहा है कि युवक ने बच्चे को बचाने के लिए बाइक रोकी थी, जिस पर विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपियों ने कोतवाली गेट के बाहर भी रवि को पीटा। हरा थाना क्षेत्र के बुरावली गांव के रवि कुमार मिलक जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक हसनपुर में पूठ रोड पर उनकी बाइक के सामने अचानक एक बच्चा आ गया रवि ने तुरंत ब्रेक लगाए इसी बात पर शरीफ पुत्र जफरू ने उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। रवि के विरोध करने पर शरीफ ने अपने साथियों को बुला लिया और सबने मिलकर रवि से मारपीट की। रवि ने हसनपुर कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। कुछ देर बाद आरोपी भी कोतवाली पहुंच गए और गेट के बाहर रवि से फिर मारपीट करने लगे। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़कर कोतवाली ले आई। कोतवाल सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि शिकायत के आधार पर शरीफ पुत्र जफरू और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय नगर पंचायत जोया, जनपद अमरोहा

पत्रांक :- 1469 / न०पंच०जोया / 2026

दिनांक:- 23.10.2026

अति अल्पकालीन कोटेशन सूचना

नगर पंचायत जोया द्वारा राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड से प्राप्त धनराशि के अंतर्गत गंगा मेला तिगरी-2026 में निम्नलिखित कार्य कराये जाने प्रस्तावित हैं जिस हेतु किसी भी शासकीय विभागों के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 04.11.2026 को अपराह्न 12:00 बजे तक कोटेशन आमंत्रित किये जाते हैं, इच्छुक ठेकेदार कोटेशन कार्यालय में रखे गये निविदा बॉक्स में उक्त दिनांक तक डाल सकते हैं। प्राप्त कोटेशन उसी दिन अपराह्न 02:00 बजे अध्यक्ष महोदय के समक्ष खोली जायेगी, कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी को होगा, अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

क्र०सं०	कार्य का विवरण	कार्य अवधि
1	2	4
1	गंगा तिगरी मेला-2026 के अंतर्गत अस्थाई चैन्जिंग रूम का निर्माण कार्य।	15 दिवस
2	गंगा तिगरी मेला-2026 के अंतर्गत अस्थाई शौचायलों का निर्माण कार्य।	
3	गंगा तिगरी मेला-2026 में स्वागत गेट।	
4	गंगा मेला-2026 में स्काई बलून (गुब्बारा) अधिछापन कार्य।	

अधिशासी अधिकारी

नगर पंचायत जोया

अमरोहा

सम्भल में फल एवं सब्जी आधारित खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण का शुभारंभ

मशीनरी पर मिलेगा एक लाख रुपये तक का अनुदान



संभल (सब का सपना):-राजकीय फल संरक्षण केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र सम्भल द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। न्याय पंचायत पाठकपुर की ग्राम पंचायत कमलापुर विकास खंड सम्भल में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन ग्राम प्रधान बबीता द्वारा किया गया। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों को फल एवं सब्जी आधारित खाद्य

प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को भी प्रभावी ढंग से रोका जा सके। योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इच्छुक अभ्यर्थी अपना प्रोजेक्ट प्रस्ताव तैयार कर विभाग में प्रस्तुत कर सकते हैं। पात्र लाभार्थियों को अपना उद्योग स्थापित करने के लिए मशीनरी एवं उपकरणों की खरीद हेतु एक लाख रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराने का प्रावधान है। प्रशिक्षण के



दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को फल एवं सब्जियों से विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार करने की विधियों की बारीकियां सिखाई गईं। इसमें सॉस, जैम, पापड़, चिप्स, कैडी, पेठा, मुर्खा सहित अन्य खाद्य उत्पादों के निर्माण पैकेजिंग एवं गुणवत्ता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयां शामिल रही। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, वित्तीय व्यवस्था एवं बैंक ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया के बारे में भी प्रशिक्षणार्थियों को विस्तार से अवगत कराया गया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने सैद्धांतिक

ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।पिंकी सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक कार्य कराए। इस पहल से युवा उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पाद तैयार करने की तकनीक सीख सकेंगे और भविष्य में अपना स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। केंद्र प्रशासन द्वारा युवाओं से अपील की गई है कि वे खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें।

सखियों ने अपने मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकास खंड बनियाखेड़ा में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बैंक सखी समूह सखी स्वास्थ्य सखी और आजीविका सखियों ने मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में सखियों ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन भेजकर अपनी नौ सूत्रीय मांगें रखीं। ज्ञापन में सखियों ने कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने महिलाओं को

आत्मनिर्भर बनाने बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है। महंगाई के दौर में इतने कम मानदेय से परिवार का भरण-पोषण करने और कार्य संबंधी खर्चों को पूरा करने में परेशानी होती है। सखियों ने मांग की कि उनका मानदेय 4,000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर न्यूनतम 20,000 रुपये



किया जाए। इसके साथ ही नियमित और समयबद्ध भुगतान यात्रा भत्ता मोबाइल इंटरनेट व स्टेशनरी खर्च की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य बीमा कैशलेस चिकित्सा दुर्घटना बीमा आवश्यक प्रशिक्षण पहचान पत्र और कार्य संबंधी संसाधन उपलब्ध कराने की भी मांग की। इसके अलावा सखियों के लिए स्पष्ट सेवा नियम और सम्मानजनक कार्य व्यवस्था बनाने बैंक सखियों को निर्धारित ड्रेस कोड उपलब्ध कराने तथा मानदेय की राशि

सीएलएफ (CLF) के माध्यम से भेजने के बजाय सीधे उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में हस्तांतरित करने की मांग उठाई गई। सखियों का कहना है कि उचित मानदेय और आवश्यक सुविधाएं मिलने से वे अधिक उत्साह और जिम्मेदारी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे सकेंगी। इससे महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को भी बढ़ावा मिलेगा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी अन्य सखियां शामिल रहीं।

गुमशुदा बच्चों और महिलाओं की बरामदगी में सराहनीय कार्य करने वालों को मिला सम्मान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के आदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एवं नोडल अधिकारी मनोज कुमार रावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट बहजोई स्थित एनआईसी सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पॉक्सो एक्ट, गुमशुदा बच्चों, अनैतिक व्यापार और भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यशाला में ऑपरेशन रक्षा, मिशन शक्ति, ऑपरेशन मुस्कान और बालश्रम उन्मूलन अभियान के साथ ही बच्चों एवं महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी



योजनाओं, जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और कन्या सुमंगला योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत ने योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर पात्र लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रयत्न संस्था

(जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन) के माध्यम से गुमशुदा बच्चों एवं महिलाओं की सकुशल बरामदगी तथा बाल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और संस्था के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में एचएचटी थाना प्रभारी

पवनवीर सिंह राणा, नखासा थाना प्रभारी संजय कुमार, उपनिरीक्षक सुधीर कुमार एवं रविन्द्र कुमार चौधरी, बाल कल्याण समिति की सदस्य नूतन चौधरी व नीलम राय, चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी मानसी, बनियादेर थानाध्यक्ष बोविन्द, उपनिरीक्षक संजय कुमार, मुख्य आरक्षी विवेक बालियान, आरक्षी धर्मराज चौधरी, सीडीएस फाउंडेशन के निदेशक रमन और प्रयत्न संस्था के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर शिराज अहमद शामिल रहे। कार्यशाला में एचएचटी थाना, बाल कल्याण समिति, जिला प्रोबेशन कार्यालय, वन स्टॉप सेंटर, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग और प्रयत्न संस्था के प्रतिनिधियों सहित जनपद के विभिन्न थानों के बाल कल्याण अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जुनावाई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के थाना जुनावाई पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को साकरा घाट स्थित गंगा पुल के गांव की ओर वाले छोर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बीती 14 अक्टूबर को थाना जुनावाई क्षेत्र के एक गांव



निवासी सुखराम पुत्र सालिकराम ने पुलिस को तहरीर देकर शिकायत की थी कि अज्ञात अभियुक्त उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर

अपने साथ ले गए हैं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना जुनावाई पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर जांच

शुरू कर दी थी। मामले को विवेचना के दौरान पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में मंगलवार को थाना जुनावाई पुलिस टीम ने पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में वांछित आरोपी राजू पुत्र सोनपाल, उम्र करीब 22 वर्ष, को साकरा घाट गंगा पुल के गांव की ओर वाले छोर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। नाबालिग से संबंधित मामले को लेकर पुलिस की ओर से नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

लॉरेंस अकादमी गुलावठी में फायरलैस कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- लॉरेंस अकादमी गुलावठी में हॉफायरलैस कूकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अशोक हाउस, टैगोर हाउस, भगत हाउस तथा टैरेसा हाउस की कक्षा 9वीं व 11वीं की छात्राओं ने भाग लिया। चारों हाउसों की छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यजन तैयार किए। जिसमें अशोका हाउस की छात्राओं ने प्रथम स्थान



तथा टैगोर हाउस की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का सुन्दर प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं को प्रबन्धक सहीमुद्देन मेवाती, निदेशक शोभा मेवाती एवं प्रधानाचार्यां तृपति तिवारी जी उनके स्वादिष्ट व्यजनों की प्रशंसा करके उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रतियोगिता का आयोजन पिंकी गौड़ व उनकी सहयोगी नेहा चैधरी ने किया।

रबी अभियान 2026-27 के तहत जनपद के 18 बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध हैं उर्वरक

अमरोहा (सब का सपना):-सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, उत्तर प्रदेश, अमरोहा वरुण अग्रवाल ने अवगत कराया कि रबी अभियान 2026-27 में विभिन्न फसलों की बुवाई के लिए जनपद के 18 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर ग्रूरिया, डीएपी एवं एनपीके पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि किसान अपनी मांग एवं जोत के आकार के अनुसार इफको बाजार, कैलसा (जोया), अहरोई



(अमरोहा), कुआंखेड़ा (धनौरा), गजरोला तथा चंदनपुर (गंगेश्वरी) से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। इसके

अतिरिक्त एफएएससी केंद्र जोया एवं सैदनगली हसनपुर आईएफएफडीसी केंद्र इब्राहिमपुर (अमरोहा),

हसनपुर, हसनपुर (रहरा रोड), ढबारासी एवं धनौरा, एग्री जंक्शन बुगबली (गंगेश्वरी), कृषक भारती सेवा केंद्र (कुभकी) नारंगपुर (जोया) तथा पीसीएफ केंद्र कमेलेपुर धनौरा रजोहा (हसनपुर), पाथरी कलां (जोया) एवं अमरोहा बहादुरगढ़ (अमरोहा) पर भी उर्वरक उपलब्ध हैं। इसीलिए जनपद के किसान भाई अपनी आवश्यकता एवं जोत के आकार के अनुसार उक्त केंद्रों से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

मतगणना जारी, होगा शिक्षक और स्नातक सीट के 18 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

एजेंसी मेरठ। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक और स्नातक एमएलसी सीटों की मतगणना 27 अक्टूबर को मोदीपुरम कृषि विश्वविद्यालय में सुबह सात बजे शुरू हुई। दोनों सीटों पर 18 उम्मीदवार मैदान में हैं। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक व स्नातक एमएलसी सीटों के लिए मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि श्वविद्यालय मोदीपुरम में सुबह सात बजे मतगणना प्रक्रिया शुरू हुई। मतगणना के दौरान दोनों सीटों के 18 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। मतगणना केंद्र पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। अंतिम परिणाम आने तक मतगणना लगातार जारी रहेगी। 23 अक्टूबर को हुए मतदान के दौरान स्नातक एमएलसी सीट पर मेरठ-सहारनपुर मंडल के नौ



जिलों में 35.81 प्रतिशत (46053 मतदाताओं) मतदान हुआ था, जबकि शिक्षक सीट पर 57.64 प्रतिशत (31200) मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया था। इसके बाद मतपेटियों को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में नौ स्टांग रूम में रखवाया गया।

मतगणना के लिए प्रशासन ने पहले ही तैयारियां पूरी कर ली थी। निर्वाचन अधिकारी मेरठ मंडलालुक्त भानु चंद्र गोस्वामी लगातार मतगणना की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सुबह सात बजे चुनाव एजेंटों की उपस्थिति में मतपेटियां खोली गईं। इसके बाद मतपत्रों के

बंडल बनाए जाएंगे और मतगणना शुरू हो गई। चुनाव मैदान में है 18 उम्मीदवार शिक्षक सीट पर भाजपा उम्मीदवार व वर्तमान एमएलसी श्रीचंद शर्मा, सपा उम्मीदवार डॉ. नितिन तोमर, माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के डॉ. सुशील पुंढीर, ठकुराई गुट के सुशील चौधरी, कुलदीप मलिक, तनुज गंभीर, स्वराजपाल, बाकिर हुसैन, पंकज कुमार, सुशील, हरकेश सिंह चुनाव मैदान में है। इसी तरह से स्नातक सीट पर भाजपा के उम्मीदवार व वर्तमान एमएलसी दिनेश गोयल, सपा के प्रमेन्द्र भाटी एडवोकेट, माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के अमित कुमार जैन, ठकुराई गुट के राहुल कुशवाहा, विक्रांत वशिष्ठ एडवोकेट, विजय कुमार त्यागी, दुष्यंत, मोहम्मद अकरम रजा चुनाव मैदान में हैं।

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह एवं यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान

के दौरान कुल 255 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। इन पर कुल 4,46,500 रुपये का जुमाना लगाया गया। अभियान के तहत इंटरसेप्टर मोटरसाइकिल से तेज गति से वाहन चलाने वाले 84 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, ओवरलोडिंग करने वाले टेंपो और ई-रिक्शा समेत

19 वाहनों पर प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। इसके अलावा वाहनों में अनधिकृत रूप से लगे पांच पायदान हटवाए गए और 15 वाहनों से प्रेशर हॉर्न निकलवाए गए। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर दो वाहनों को सीज भी किया गया। यातायात पुलिस ने अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन

पर भी कार्रवाई की। यातायात प्रभारी ने बताया कि प्रेशर हॉर्न, फाल्ट नंबर प्लेट और ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने की अपील की।

सुभासपा के स्थापना दिवस पर सामाजिक न्याय और स्वाभिमान की लड़ाई को धार देने का आह्वान

अमरोहा (सब का सपना):-सुभासपा का 24वां स्थापना दिवस पर पार्टी के जिला कार्यालय पर धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, समान अधिकार व समाज के वंचित वर्गों के सम्मान के लिए अपने संघर्ष की और मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सुभासपा की पहचान समाज के उन लोगों की आवाज बनने से जुड़ी है जो अपने अधिकारों, सम्मान व उचित भागीदारी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में संगठन सामाजिक न्याय की विचारधारा को मजबूत करने और आमजन को मुहूर्त को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सत्यपाल तोमर ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती तभी सुनिश्चित हो सकती है जब समाज के प्रत्येक वर्ग को



बराबरी का अवसर मिले और किसी भी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि सुभासपा का उद्देश्य समाज के पिछड़े, शोषित, वंचित व कमजोर वर्गों की समस्याओं को सामने लाना तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं और गांवों से लेकर शहरों तक जनता के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को समझें। उन्होंने कहा कि संगठन के असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को एकजुटता और जिम्मेदारी के साथ पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस केवल

उत्सव मनाने का अवसर नहीं बल्कि उन उद्देश्यों और सिद्धांतों को याद करने का दिन है जिनके आधार पर संगठन की स्थापना हुई थी। सामाजिक समानता, सम्मान, अधिकार व न्याय की भावना को व्यवहार में उतारना ही पार्टी की प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्यपाल तोमर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के मार्गदर्शन में सुभासपा समाज के हर वर्ग को जागरूक करेगा कि मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, जनता के सहयोग और संगठन की एकजुटता से पार्टी का जनाधार और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान सुनिश्चित करना और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की

आवश्यकता है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह व प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हई राम प्रजापति ने भी अपने विचार रखते हुए संगठन को मजबूत करने और बुध स्तर पहुंचाने के निर्देश पदाधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत्यपाल तोमर जिलाध्यक्ष, राजपाल सिंह मंडल अध्यक्ष, कन्हई राम प्रजापति प्रदेश उपाध्यक्ष,आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष, जसवीर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह प्रधान जिला उपाध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह बग्गा मंत्री प्रतिनिधि गजमर सिंह चौहान चौधरी राकेश सिंह,सुबैर अहमद डॉ जगत सिंह गुजर जिला महासचिव, चन्द्रसेन खड्गवंशी जिला महासचिव डॉ चन्द्रपाल सिंह सैनी विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर मोहम्मद नाजिम विधानसभा अध्यक्ष अमरोहा, राहुल कुमार कमल सिंह प्रजापति जसपाल सिंह एडवोकेट सलीम मुजीब बछरावू तौसीफ अहमद रामनिवास शोभित कुमार राजा चन्द आदि मौजूद रहे।

भाजपा की एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक परिसर में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा नहटौर की एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नहटौर विधानसभा के लिए नामित विधानसभा प्रभारी पूरन सिंह सैनी का स्वागत प्रथम आगमन पर सभी पदाधिकारियों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ किया। प्राप्त समाचार के अनुसार ब्लॉक परिसर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक



बैठक में विधानसभा प्रभारी पूरन सिंह ने सभी पदाधिकारी के साथ परिचय

बैठक की तथा चुनावी राजनीति के बारिकियों को सभी के समुख रखकर चुनाव में सभी को साथ लेकर जुट जाने का आह्वान किया। बैठक में ब्लॉक प्रमुख चौधरी राकेश कुमार, जिला भाजपा उपाध्यक्ष अतुल मारवाड़ी, तिलक राज सैनी, वैभव गोयल, राकेश सैनी, पिपूष चौहान, हिमांशु पाराशर, कुलवीर चौधरी, पवन दक्ष, शुभम रस्तोगी, योगेश सैनी आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महबूब की असमय मौत से परिजनों में कौहराम नगर में शोक की लहर

हल्द्वार/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मौहल्ला खेड़ा निवासी महबूब आलम 52 वर्ष पुत्र बुन्दु हसन फरीदी की सोमवार को अचानक तबियत खराब हो गई। जिन्हें बिजनौर ले जाया गया जहां डाक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए जिसके बाद ऋषिकेश एवं देहरादून ले गए जब तक बहुत देर हो चुकी थी। रात्रि में ही महबूब आलम का इन्तकाल हो गया। जिन्हें मंगलवार को बाद नमाज जौहर के सुपुर्द ए खाक कर



दिया गया है। उनके जनाजे में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। महबूब आलम

एक नेक दिल ईसान थे उनकी असमय मौत से जहां परिजनों में कौहराम मच गया वहीं नगर में शोक की लहर दौड़ गई। महबूब आलम अपने पीछे एक पुत्र एक पुत्री पत्नी माता पिता भाई बहन पूरा हरा भरा छोड़ गए हैं। महबूब आलम एक सामाजिक मिलनसार व्यक्ति थे। उनके जाने की क्षति को पूरा करना ना मुमकिन है। उनके जनाजे में सैकड़ों लोगों की भीड़ देखने को मिली।

जमीन के विवाद में भतीजे ने चार साथियों के साथ मिलकर की थी चाचा की हत्या

चांदपुर पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, अवैध तमंचे, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर थाना क्षेत्र में किसान विजयपाल सिंह की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, जमीन के विवाद में मृतक के भतीजे प्रिंस तोमर ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध तमंचे, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ग्राम केलनपुर निवासी विजयपाल सिंह की हत्या के मामले में उनके पुत्र मोहित सिंह तोमर ने 22 अक्टूबर को थाना चांदपुर में तहरीर देकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश और घटना के खुलासे के लिए टीम गठित



की। पुलिस के मुताबिक, पृछताछ में गिरफ्तार आरोपी प्रिंस तोमर ने बताया कि उसके ताऊ विजयपाल सिंह के साथ परिवार की करीब साढ़े नौ बीघा जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथियों शानू उर्फ मेशान, फैजान और रविश के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, हत्या के लिए साढ़े तीन लाख रुपये में सौदा तय हुआ था, जिसमें से 20 हजार रुपये

फैजान को दिए गए थे। आरोप है कि 21 अक्टूबर को विजयपाल सिंह के ट्रैक्टर से खेत जोतकर लौटने के दौरान प्रिंस, फैजान और रविश ने तमंचों से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मोटरसाइकिलों से फरार हो गए और पुलिस से बचने के लिए रामपुर नजराना की ओर नहर के पास झाड़ियों में तमंचे छिपा दिए। पुलिस ने 27 अक्टूबर को मामले में प्रिंस तोमर, शानू उर्फ मेशान, फैजान और

रविश को गिरफ्तार किया। पृछताछ और आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियारों के स्रोत का पता लगाते हुए पुलिस ने अमरोहा जन्मपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के नवाबपुरा निवासी विनीत कुमार को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, विनीत से दो अवैध तमंचे, 315 बोर के कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से कुल चार अवैध तमंचे, 315 बोर के कारतूस तथा दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। बरामदगी और विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई में क्राइम ब्रांच और थाना चांदपुर पुलिस की टीम शामिल रही। मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी बिलों के जरिए पंजाब से लाई जा रही 55 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद, ट्रक चालक गिरफ्तार

कोतवाली देहात पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई, ट्रक में भरी मिली शराब की 650 पेटियां

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली देहात पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी का खुलासा किया है। पुलिस ने शादपुर नहर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान एक ट्रक से अंग्रेजी शराब की 650 पेटियां बरामद की हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक और शराब को कब्जे में ले लिया है। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 27 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक बिजनौर के निर्देश पर चलाया जा रहे अभियान के तहत कोतवाली देहात पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शादपुर नहर पुलिया पर ट्रक संख्या वड71व7412 को



चेक किया गया। तलाशी लेने पर ट्रक में अंग्रेजी शराब की 650 पेटियां बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार, शराब का परिवहन फर्जी बिलों के माध्यम से किया जा रहा था। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान मोहम्मद आजीब पुत्र उमर मोहम्मद निवासी ग्राम भाजलाका, थाना तावड़, जनपद नूंह, हरियाणा के रूप में हुई है। पृछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रक चालक है और हरियाणा में राहुल नामक व्यक्ति के संपर्क में

आया था। राहुल ने उसे पंजाब से ट्रक में शराब लाने के बदले 20 हजार रुपये और प्रतिदिन 500 रुपये देने की बात कही थी। बाद में शराब के परिवहन के एवज में अतिरिक्त 30 हजार रुपये देने का लालच भी दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पंजाब से ट्रक में शराब भरकर ला रहा था। उसने शराब का परिवहन करना स्वीकार किया, हालांकि शराब के वास्तविक मालिक के संबंध में

जानकारी होने से इनकार किया। पुलिस ने ट्रक से इम्पीरियल ब्लू की 255 पेटियां, इम्पीरियल ब्लू हाफ की 150 पेटियां, इम्पीरियल ब्लू फुल बोतल की 135 पेटियां, आरएस क्वार्टर की 50 पेटियां और आरएस हाफ की 60 पेटियां बरामद की हैं। कुल 650 पेटियों में बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में थाना कोतवाली देहात में मुकदमा अपराध संख्या 269/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 340(4) तथा आबकारी अधिनियम की धाराओं 60, 63 और 72 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में शराब के परिवहन के लिए फर्जी बिलों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी मिली है। मामले में अन्य आवश्यक कार्रवाई और जांच जारी है।

नजीबाबाद में शराब दुकान पर पैसे के लेन-देन को लेकर मारपीट

सेल्समैन और ग्राहक में झगड़ा, परिजनों ने दुकान में तोड़फोड़ की, पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद में शराब की दुकान पर पैसे के लेन-देन को लेकर मारपीट और हंगामा हुआ। यह घटना 26 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे मॉडल शॉप संख्या 5 पर हुई। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि सेल्समैन कपिल कुमार (निवासी खैरुल्लापुर) और ग्राहक राजेश (निवासी पीपीगंज, गोरखपुर) के बीच झगड़ा हुआ।



राजेश फिलहाल सुंदर नगरी नजीबाबाद में रहता है। शराब खरीदने के दौरान पैसे के लेन-

देन को लेकर कहासुनी मारपीट में बदल गई। झगड़े की खबर मिलते ही राजेश के परिजन भी

दुकान पर पहुंचे और सेल्समैन कपिल से मारपीट की। परिजनों ने दुकान के अंदर घुसकर शराब की बोतलें तोड़ दीं। हंगामा के दौरान कुछ महिलाएं भी गाली गलौज और तोड़फोड़ करती दिखीं। पुलिस मौके पर पहुंची और राजेश व उसके परिजनों को हिरासत में ले लिया। उनसे पृछताछ जारी है। सेल्समैन की तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चितौड़ चौकी के सामने जबरन भिक्षा मांगने का,वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- डबल फाटक स्थित चितौड़गढ़ चौकी के सामने एक महिला के भिक्षा मांगने का अनोखा तरीका सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। एक इंस्टाग्राम ब्लॉगर द्वारा महिला का वीडियो बनाकर अपने अकाउंट पर पोस्ट किया गया है। वीडियो में महिला कार सवारों से भिक्षा मांगती दिखाई दे रही है।

है। रुपये नहीं देने पर वह कुछ दूरी तक कार की खिड़की पर लटककर वाहन सवार से जबरन रुपये देने के लिए कहती नजर आ रही है। वायरल वीडियो को लेकर लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि भिक्षा मांगने का यह तरीका आखिर कहाँ तक उचित है। महिला के इस तरह चलते वाहन की खिड़की पर लटकने से उसके खुद हादसे का शिकार होने



के साथ ही वाहन चालक के नियंत्रण खोने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में कोई हादसा होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी, यह भी सवाल खड़ा हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि जिस स्थान का वीडियो है वहां चितौड़गढ़ पुलिस चौकी भी स्थित है। पुलिस चौकी के सामने इस तरह की गतिविधि का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की निगरानी व्यवस्था

को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो का मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं है। यदि कोई महिला इस तरह वाहन चालकों को परेशान करती या चलते वाहन से लटकती हुई पाई जाती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक युवती लापता, युवक समेत पांच पर ले जाने का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जन्मपद के थाना क्षेत्र के गांव घनसुरपुर अमरोली निवासी 20 वर्षीय युवती सतिश परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने रिश्तेदारी समेत कई स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। युवती के भाई ने एक युवक समेत पांच लोगों पर उसकी बहन को

ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से बरामदगी की गुहार लगाई है। गांव घनसुरपुर अमरोली निवासी शिवम कुमार ने 26 अक्टूबर को थाना नगीना पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी 20 वर्षीय बहन दिव्या 19 अक्टूबर को घर से कहीं चली गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं

चल सका। परिजनों ने रिश्तेदारियों में भी उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में उसे जानकारी मिली कि उसकी बहन को श्यामपुर गाजीवाला थाना श्यामपुर, जिला हरिद्वार निवासी विशाल पांडेय अपने साथ ले गया है। आरोप है कि युवती को ले जाने में विकास पांडेय, निशा

शर्मा पत्नी राहुल शर्मा और साक्षी शर्मा भी शामिल हैं। शिवम ने पुलिस से अपनी बहन को जल्द से जल्द बरामद करने तथा मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी कार, बड़ा हादसा टला

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- देर रात हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। कार डिवाइडर पर लगी लोहे की ग्रिल तोड़ते हुए ऊपर चढ़ गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कार चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई। कार चालक आकाश कुमार ने बताया कि वह देर रात देहरादून से कार में सवार होकर अपने गांव



लौट रहे थे। इसी दौरान हाईवे पर अचानक उनकी कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पर लगी लोहे की ग्रिल तोड़ते हुए डिवाइडर के ऊपर चढ़ गई। हादसे के बाद मौके पर लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और डिवाइडर पर चढ़ी कार को हटवाया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को भी कोई चोट नहीं आई।

सेंट मैरी स्कूल के सामने रोजाना लग रहा जाम, राहगीर परेशान

मुरादाबाद मार्ग पर लगने वाले जाम से विद्यार्थियों को स्कूलों में पहुंचने में हो रही देरी



भाजपा युवा नेता सनी सिंह जाटव ने उठाई समस्या, स्थायी समाधान करने की जरूरत

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- मुरादाबाद स्टेट हाईवे पर सेंट मैरी स्कूल के सामने जाम की समस्या लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। स्कूल खुलने और छुट्टी के समय रोजाना लगने वाले जाम से छात्र-छात्राओं को भी आने वाले स्कूल पहुंचने में देरी हुई। वहीं, हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों को भी काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल खुलने और छुट्टी के समय अक्सर यही स्थिति बन जाती है,



लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आती। भाजपा युवा नेता सनी सिंह जाटव ने भी इस समस्या पर चिंता जताई। उनका कहना है कि सेंट मैरी स्कूल के सामने रोजाना जाम लगता है। उनका घर भी मुरादाबाद हाईवे पर जाम लगने वाले स्थान के नजदीक है, इसलिए उन्हें इस समस्या के कारण होने वाली परेशानियों का अंदाजा है। उन्होंने कहा कि जाम के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्कूल प्रबंधन और स्थानीय

प्रशासन को इस समस्या पर शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि जनता को रोज लगने वाले जाम की समस्या से निजात मिल सके। अब सवाल यह है कि आखिर धामपुर के लोगों को रोजाना लगने वाले इस जाम से कब राहत मिलेगी? स्कूल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को मिलकर ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे स्कूल खुलने और छुट्टी के समय यातायात सुचारु बना रहे और विद्यार्थियों सहित आम लोगों को परेशानी न उठानी पड़े।

वाल्मीकि जयंती कार्यक्रमों में उमेश वाल्मीकि का जोरदार स्वागत

नहटौर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित हुए कार्यक्रम, समाज को सम्मान दिलाने का किया दावा

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश वाल्मीकि का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी में सम्मान और भागीदारी का भरोसा दिलाया। उमेश



वाल्मीकि ने कहा कि समाजवादी पार्टी में वाल्मीकि समाज को सम्मान मिलेगा।

उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे समाजवादी पार्टी से जुड़कर

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करने का काम करें। उन्होंने कहा कि समाज की भागीदारी और सम्मान के लिए लोगों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में उमेश वाल्मीकि का स्वागत किया गया और समाज के लोगों ने कार्यक्रमों में भागीदारी की।

जानकारी

खाने से जुड़ी इन 9 आदतों को अपनाकर मानसून में खुद को रखें स्वस्थ



■ उबला पानी मानसून में बेहद जरूरी है, यह पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और कीटाणुओं को मारने में मदद करता है। यह मानसून में आपको हाइड्रेट रखने में मदद करता है, क्योंकि इस मौसम में उमस होने के कारण हमारे शरीर का काफी पानी पसीने के जरिए बाहर निकल जाता है।

■ कम या मीडियम नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थ खाने से वॉटर रिटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर हो सकता है।

■ इस उमस भरे मौसम में शरीर की पाचन क्षमता कम हो जाती है। इसलिए इस मौसम में तला हुआ खाना खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे बद्धजमी और पेट में परेशानी हो सकती है। इस मौसम में उबले या ग्रील्ड खाद्य पदार्थ अच्छे होते हैं। कच्चे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, खासतौर पर सड़क किनारे बने हुए स्टॉलस और ठेलों पर मिलने वाले कटे हुए फल, सब्जियों और जूस आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इन जगहों पर कैसा पानी इस्तेमाल किया जा रहा है, यह बात मायने रखती है, क्योंकि दूषित पानी के इस्तेमाल से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

■ मानसून के दौरान फल शरीर की ऊर्जा को बनाए रखते हैं। इसलिए इस मौसम में अनार, आड़ू, नाशपाती और आम जैसे फल खाने का सुझाव दिया जाता है।

■ सड़क किनारे मिलने वाले खरबूज, तरबूज और लस्सी जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें, इनको खाने से पेट में इन्फेक्शन हो सकता है और पानी के जरिए पिंगल जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है।

■ हरे पत्तेदार या जड़ वाली सब्जियों को खाने या बनाने से पहले अच्छी तरह धोएं। स्वस्थ रहने के लिए इस मौसम में एंटीऑक्सिडेंट्स युक्त करेला, मौसमी बैरी और सीताफल जैसी सब्जियां खानी चाहिए, यह हमें इन्फेक्शन से तो बचाती ही है साथ ही हमारी इम्युनिटी को भी मजबूत करती है। दूसरी तरफ हरे पत्तेदार या जड़ वाली सब्जियों को खाने या बनाने से पहले अच्छी तरह धोएं।

■ सी फूड, मछली, कच्चे या आधे पके अंडों का सेवन न करें, क्योंकि यह पेट के लिए भारी होते हैं और इनके सेवन से पाचन क्रिया भी धीमी होती है। इनकी जगह खिचड़ी और सूप जैसी चीजें पचाने में ज्यादा आसान होती हैं।

■ मसालेदार और खट्टे पदार्थों को खाने से भी परहेज किया जाना चाहिए। इनको खाने से शरीर के तापमान में वृद्धि होती है, जिस वजह से एलर्जी और स्किन इरिटेशन, पिंपल्स व रैशिस जैसी समस्या हो सकती है।

■ सहद, अदरक और काली मिर्च जैसी एंटी बैक्टीरियल हर्बल चाय का सेवन जरूर करें। इनके अंदर अदक मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट होते जो इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं।

बादाम से भी ज्यादा है गुणकारी है मूंगफली



रोजाना पानी में भीगे हुए मूंगफली के दाने खाने के ये फायदे

मूंगफली के दानों को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स बॉडी में पूरी तरह अवशोषित हो जाते हैं, जो कि आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं।

सर्दियों में हर किसी को मूंगफली खाना पसंद होता है, लेकिन क्या आप ये बात जानते हैं कि रोजाना भीगे हुए मूंगफली के दाने खाने के कितने फायदे हैं। अक्सर लोग बादाम को भिगोकर खाते हैं, लेकिन इसे खाने के और भी बेहतरीन फायदे हैं। मूंगफली के दानों को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स बॉडी में पूरी तरह अवशोषित हो जाते हैं, जो कि आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। डॉक्टरों के अनुसार मूंगफली में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है, जो कि आपके ब्लड सर्कुलेशन को ठीक रखता है। इसके साथ ही शरीर में खून की कमी को पूरा करता है। जानिए इसे खाने से होने वाले फायदों के बारे में...

डायबिटीज को करें कंट्रोल



अगर आप रोजाना भीगे हुए मूंगफली के दाने खाएंगे तो आपका ब्लड शुगर कंट्रोल होगा। इसके साथ अगर आपको डायबिटीज की समस्या है तो ये आपके लिए फायदेमंद होता है। इसके लिए रात को मूंगफली के दाने भिगोकर रख दें। फाइबर से भरपूर मूंगफली का सुबह सेवन करें।

एसिडिटी से दिलाएं निजात



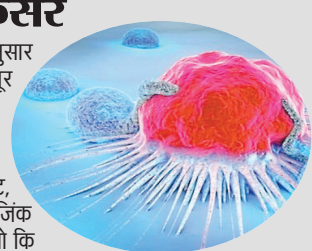
इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम, मैग्नीज, कॉपर, कैल्शियम, आयरन, सेलेनियम जैसे गुण पाए जाते हैं, जिसका सेवन करने से गैस, एसिडिटी से निजात मिलने के साथ-साथ कमर दर्द और जोड़ी के दर्द से भी निजात मिलेगा।

आंखों की रोशनी



यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी काफी फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन आंखों की रोशनी तेज करने के साथ-साथ याददाश्त को भी बढ़ाता है।

कैंसर



एक शोध के अनुसार मूंगफली में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट, आयरन, नियासिन, फोलेट, कैल्शियम और जिंक पाया जाता है, जो कि शरीर को कैंसर सेल्स से लड़ने में मदद करते हैं। अगर कोई महिला रोजाना मूंगफली के 20 भीगे दाने खाए तो कैंसर उससे कौंसो दूर रहेगा।

खांसी से दिलाएं निजात



कई लोग सोचते हैं कि मूंगफली खाने से खांसी की समस्या हो जाती है, तो हम आपको बात दें कि इसका सेवन करने से आपको हर तरह की खांसी से निजात मिलेगी।

सुझाव

दिन में 3 कप से ज्यादा कॉफी पीना हो सकता है खतरनाक



बढ़ता है माइग्रेन का खतरा

एक ताजे अध्ययन में बताया गया है कि एक दिन में सिर्फ 2 कप कॉफी पीना सुरक्षित माना जा सकता है। दिन में 3 कप या इससे ज्यादा कॉफी पीने के कारण व्यक्ति को माइग्रेन का खतरा हो सकता है। जानें क्यों खतरनाक है माइग्रेन का दर्द।

अगर आप कॉफी पीने के शौकीन हैं, तो दिन में कई कप कॉफी पीते हैं, तो सावधान हो जाएं। कॉफी दुनियाभर में पिया जाने वाला पेय है। आमतौर पर दिन में 1-2 कॉफी पीना सामान्य होता है। मगर कुछ लोग दिमाग को तरो-ताजा करने के लिए या थकान और स्ट्रेस दूर करने के लिए दिन में कई कप कॉफी पी जाते हैं। हाल में हुई एक अध्ययन में बताया गया है कि एक दिन में 3 कप से ज्यादा कॉफी पीना आपके लिए खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे आपको माइग्रेन का खतरा हो सकता है।

खतरनाक हो सकता है माइग्रेन का दर्द

माइग्रेन का मुख्य लक्षण सिर दर्द है। ये सिरदर्द 2 घंटे से 3 दिन तक बना रह सकता है। अक्सर सिरदर्द को सामान्य समस्या समझकर लोग या तो दर्द निवारक दवा खा लेते हैं या चाय-कॉफी पीकर राहत पाने की कोशिश करते हैं। कई बार माइग्रेन का दर्द इतना तेज होता है कि व्यक्ति के लिए काम करना या किसी चीज पर ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है। वहीं कई बार दर्द के कारण व्यक्ति को दिखना और सुनना भी बंद हो जाता है।

2 कप से ज्यादा न पीएं कॉफी

American Journal of Medicine में छपे एक नए अध्ययन के अनुसार अगर आप एक दिन में 3 कप या इससे ज्यादा कैफीनयुक्त पेय पीते हैं, तो आपको उम्र बढ़ने पर माइग्रेन अटैक का खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं ने ज्यादा कॉफी पीने और सिरदर्द पर इसके असर के बारे में एक अध्ययन किया, जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है।

10 करोड़ से ज्यादा युवा माइग्रेन का शिकार

माइग्रेन दुनिया में फैली हुई तीसरी सबसे बड़ी बीमारी है। दुनियाभर में 10 करोड़ से ज्यादा युवा, जिनकी उम्र 35 साल से कम है, माइग्रेन का शिकार हैं। आमतौर पर माइग्रेन में तेज सिरदर्द होता है। इसके अलावा कुछ लोगों को चक्कर आता है और मूड में बदलाव की समस्या होती है। माइग्रेन के कुछ मरीजों को तेज प्रकाश और आवाज से भी परेशानी होने लगती है।

महिलाओं को माइग्रेन का खतरा पुरुषों से ज्यादा

दुनियाभर के आंकड़े बताते हैं कि माइग्रेन पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को प्रभावित करता है। एक अनुमान के मुताबिक आज पूरी दुनिया के लगभग 9 प्रतिशत पुरुष और 16 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी रूप में माइग्रेन का शिकार हैं। माइग्रेन एक ऐसी बीमारी है, जो रोजमर्रा की छोटी-छोटी बीमारियों के कारण भी बढ़ती है जैसे- ज्यादा तनाव, कम सोने, लंबे समय तक भूखा रहने, बहुत अधिक खुरबू के कारण आदि।

टाईम पास

आज का राशिफल



मेष

चू से चो ला ली

नू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

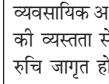


वृष

इ उ ए ओ वा

वी वू वे वो

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8



मिथुन

का की कू ष ड

छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

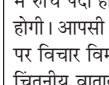


कर्क

ही हू हे हो डा

डी डू डे डो

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। नैतिक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी पलटों का परचताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

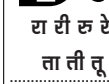


सिंह

मा नी नू ने जो

रा टी टू टे

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में लक्ष्य पैदा होगा। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चित्तवीर्य वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

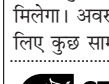


कुम्भ

रा टी टू टे

ता ती तु ते

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बढहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से सामगम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

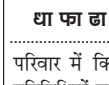


धनु

ये यो भा भी मू

धा फा डा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5



मकर

मे जा नी खी खू

खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिन्ता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

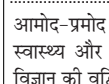


कुम्भ

गू ने गो सा

सी सू से सो वा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का सामगम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7



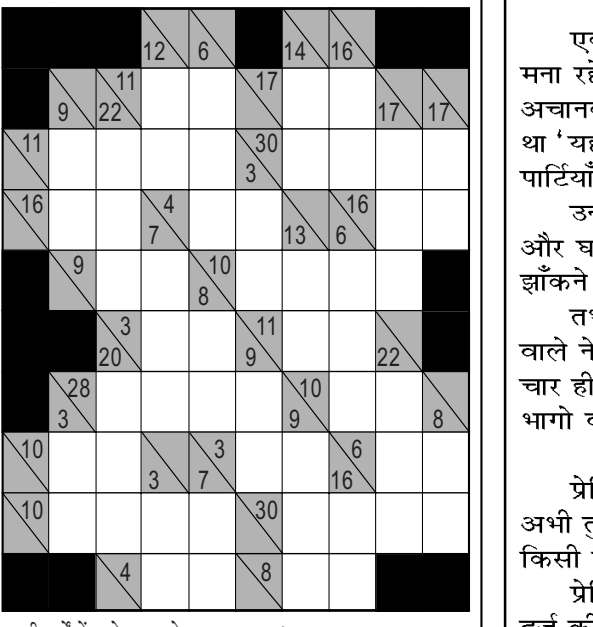
मीन

री दू थ झ ज दे

वो चा वी

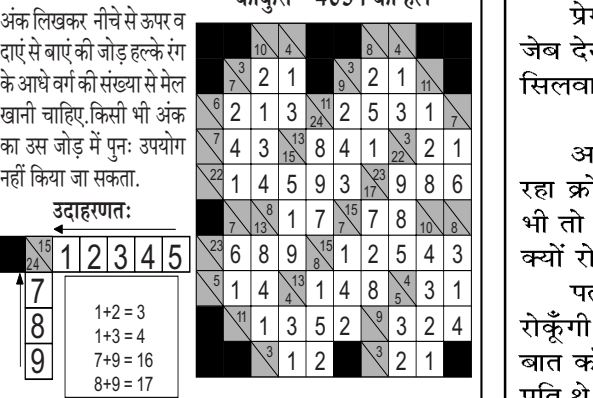
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और रसजनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से सामगम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 4052

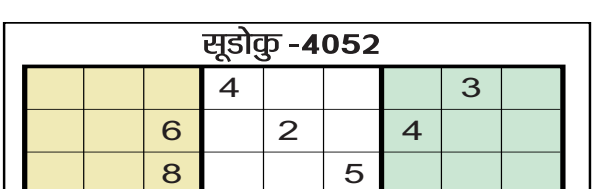


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर पर दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

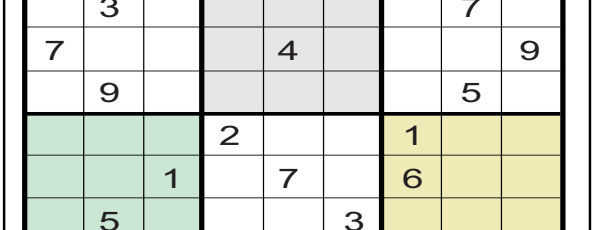
काकुरो - 4051 का हल



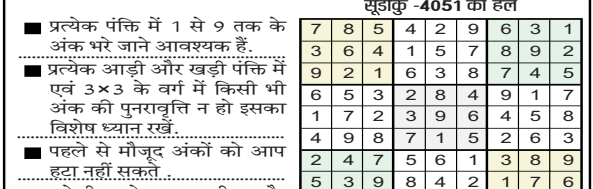
उदाहरणतः



सूडोकु -4052



सूडोकु -4051 का हल



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

लॉफिंग जॉन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान आचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ दर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ'। उनमें से एक युवक ने चड़ी देखी और श्वराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा। तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे हैं। यहाँ से जल्दी भागो वना अंदर कर दूँगा।
■ ■ ■
प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली? प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की? प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।
■ ■ ■
अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- सुधिरिधरी भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकेती हो? पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोऊँगी! खूब खेले जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 4052



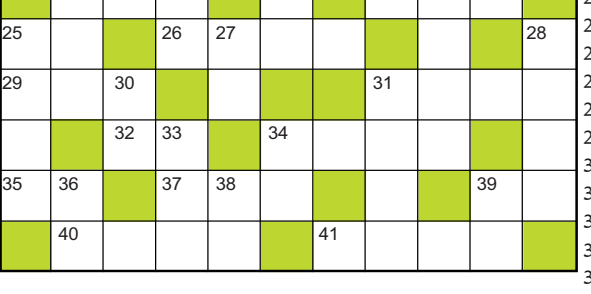
बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियों ना' गीत वाली फिल्म-४
२. 'संजय, शरद, मनोधा की 'ओ गोरी तू चुली' गीत वाली फिल्म-२
३. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊँ' गीत वाली ध्वनि, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
४. 'हल्लोय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. 'चो लम्हे को बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदित, शमिता को फिल्म-३
६. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
७. 'मोली रे मोली रे' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
८. अमिताभ, वैजो, कैटरीना, सोमा को 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-३
९. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, रीनाका को फिल्म-३
१०. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
११. 'पहली बारिश में और' गीत वाली कुमर गौरव, माधुरी की फिल्म-२
१२. 'संजय, शरद, मनोधा की 'ओ गोरी तू चुली' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिल बिस् तेष ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय को फिल्म-२
१४. संजयदत्त, माधुरी, को 'टयका रे टयका' गीत वाली फिल्म-३
१५. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
१६. 'लवले ने लवकी को देखा' गीत वाली गोविंदा, जुही की फिल्म-४
१७. 'चल प्रेमनगर जाणा बतलाओ' गीत वाली फिल्म-२
१८. अक्षयकुमार, सुनील शेठ्टी, करिश्मा, सोनली की फिल्म-३
१९. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

२०. 'सुहानी चंदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, विद्या की फिल्म-२
२१. रितिक रोशन, करिष्मा कपूर की 'मैं नाचू बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बड़े नाबूक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
२३. 'वैजो मेहरा, डैनी, मौसमी को 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
२६. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
२७. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिको चिको' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
२९. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह-और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
३०. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
३१. नवीन निखल, रेखा को 'कान में झुमका चाल में तुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
३२. 'ओ गुड्डिया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
३३. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेवैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
३४. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
३५. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या की फिल्म-३
३६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनली की फिल्म-३

३९. सप्तम-2
४०. आक्रमण, हमला-4
४१. बलवान, सवाल-4
४२. दीवार (अंग्रेजी-2)
४३. आदत-4
४४. यमराज-2
४५. उभय-पुथल-4
४६. पदक-3
४७. श्रवणेंद्रिय-2
४८. जीत, विजय-2
४९. छोटी सवारी गाड़ी-2
५०. पत्नी को बहान-2

शब्द पहेली - 4051 का हल



बाएँ से दाएँ

१. बलवान, ताकतवर-4
२. गाल, कपोल (ऊर्दू)-4
३. अनाज, धान-2
४. अवनति-3
५. जीवन तत्व-2
६. पुलिसकर्मी-4
७. भीगा हुआ-2
८. घमंडी, अभिमान-4
९. दर्शन-3
१०. अजदहा, शयालू-4
११. वायु रंग-2
१२. दोस्त, सखा-3
१३. छात्र, स्वप्न-3
१४. अपशिष्ट पदार्थ-2
१५. जंगल की आग-4
१६. पुत्र, लड़का-3
१७. पैंगबर, महापुरुष-4
१८. राय, वोट-2
१९. आफिस, दफ्तर-4
२०. वीज, वीर्य-2
२१. घर, भवन-3

२१. सप्तम-2
२२. आक्रमण, हमला-4
२३. बलवान, सवाल-4
२४. दीवार (अंग्रेजी-2)
२५. आदत-4
२६. यमराज-2
२७. उभय-पुथल-4
२८. पदक-3
२९. श्रवणेंद्रिय-2
३०. जीत, विजय-2
३१. छोटी सवारी गाड़ी-2
३२. पत्नी को बहान-2



ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिया दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घुसखोर पंडित' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंटेड एक्टरों को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टरों को तबाह कर देती हैं। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है। 'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टैरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर

दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।' मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है। मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना

पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचैनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्होंने आधारा पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूँ और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयाँ लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिया ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।' मनोज बाजपेयी का मानना है कि ओटीटी

प्लेटफॉर्म के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टरों के साथ काफी नाइसार्फी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूँ, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहा वया कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।

डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए। प्राजक्ता ने कहा, 'ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूँ, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यह बात विनम्रता के साथ कहना चाहती हूँ कि मुझे जो काम मिला है, उसके लिए मैं

बहुत आभारी हूँ। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टारकास्ट थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं।' उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए।' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जौहर, मनीष पौल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल जीत सकूँ, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मेरे काम को देखते हैं।'

करण टैकर ने शुरू की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग!

मुंबई एक्टर करण टैकर ने अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू कर दी है और इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। करण ने शूट के पहले दिन की बिहाइंड द सींस तस्वीर पोस्ट करते हुए एक ऐसा नोट लिखा, जिसने उनके नए सफर को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एक नया प्रोजेक्ट, एक नया चैप्टर और एक बड़ा रिस्क। अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन कभी-कभी सबसे बड़े रिस्क ही सबसे रोमांचक सफर की शुरुआत करते हैं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है।' करण की इस पोस्ट में शूटिंग के शुरुआती दिनों की झलक देखने को मिली। हालांकि, उन्होंने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल को सीक्रेट ही रखा है, लेकिन उनके कैप्शन से साफ है कि वह इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। स्कॉटलैंड में कैमरा रोल हो चुका है और अब फैंस को इंतजार है कि आखिर इस बार करण क्या नया लेकर आने वाले हैं। इस बार करण का लुक भी काफी बदला-बदला नजर आ रहा है। बड़े हुए बाल और घनी दाढ़ी के साथ उनका रफ-टफ अंदाज चर्चा में है। नए प्रोजेक्ट के साथ उनका यह नया लुक भी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रहा है। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो स्कॉटलैंड में शूटिंग शुरू होने के साथ करण टैकर के पास कई और प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं। यानी आने वाला वक्त उनके लिए काफी बिजी और दिलचस्प रहने वाला है। फिलहाल, फैंस को करण के अगले अपडेट का इंतजार करना होगा, क्योंकि इस नए प्रोजेक्ट के पते अभी पूरी तरह खुले नहीं हैं!

रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सैंट की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सैंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सैंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लगे। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सैंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सैंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूँ। इसलिए मेरा एक्सैंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है।' अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर्स ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप' में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगवानी और युवी फिल्मस द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन अब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है। ईशा देओल का यह कैरेक्टर पोस्टर हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मोशन पोस्टर के बाद सामने आया है, जिसमें अमित साध एक जांबाज एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आए हैं, जो खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है। सत्ता, न्याय और अपने फैसलों के परिणामों की पड़ताल करती 'प्रताप' की कहानी में जहाँ व्यक्तिगत संघर्षों के साथ-साथ हार्ड-स्टेक्स ड्रामा भी देखने को मिलेगा, वहीं, पूनम का सफर फिल्म की कहानी में एक मनबूत भावनात्मक पहलू जोड़ता है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा तिमिंगल धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की 'सिला'

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है।

अभिनेता की

आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्ट के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सरस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हद से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी।' 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा

फिल्म का हिस्सा

बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिंग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा हैं।